ड्राय आइस

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

हाल ही में गुरुग्राम के एक रेस्तराँ में **ड्राय आइस/शुष्क हिम को माउथ फ्रेशनर समझ कर उसका सेवन** करने से एक गंभीर घटना हुई जिससे इस पदार्थ की घातक प्रकृति का पता चला।

- **ड्राय आइस कार्बन डाइऑक्साइड के ठोस रूप को संदर्भित करता है** इसका उपयोग साधारणतः शीतलन एजेंट के रूप में आइसक्रीम, डेसर्ट आदि जैसे खाद्य उत्पादों के लिये किया जाता है किंतु इसका उपयोग उचित तरीके से न करने की दशा में यह गंभीर स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न कर सकता है।
  - यह **कार्बन डाइऑक्साइड गैस** में परिवर्तित हो जाता है जो बड़ी मात्रा में श्वसन के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर साँस फूलना (**हाइपरकेपनिया**) और अन्य गंभीर जटिलताएँ उत्पन्न कर सकता है।
- **भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण**, **संयुक्त राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन** **तथा रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (CDC)** जैसे निकायों के अनुसार, ड्राय आइस को कभी भी **छूना अथवा उसका सेवन नहीं करना चाहिये** क्योंकि यह त्वचा एवं शरीर के आंतरिक अंगों दोनों को गंभीर नुकसान पहुँचा सकता है।
- ड्राय आइस की ठोस अवस्था से वाष्प अवस्था में परिवर्तित होने की क्षमता, जिसे **ऊर्ध्वपातन (Sublimation)** कहते हैं, इसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिये बहुमुखी बनाती है:
  - परिवहन के दौरान भोजन और चिकित्सा आपूर्ति जैसी **शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओं को संरक्षित करने** तथा अति-निम्न तापमान बनाए रखने के लिये यह महत्त्वपूर्ण है।
  - इसका उपयोग **ड्राय आइस ब्लास्टिंग** जैसी **औद्योगिक क्षेत्र में सफाई प्रक्रियाओं** में भी किया जाता है।

और पढ़ें...भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dry-ice